Roll No. .....

(12/24)

19223

M. A. EXAMINATION

(For Regular Batch 2022 & Onwards)

(Third Semester)

HINDI

MA/HIN/3/CC10

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास

Time : Three Hours *Maximum Marks : 70*

नोट : सभी खण्डों के उत्तर दीजिए :

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) मुझे विश्वास है कि विद्रोही बनते नहीं, उत्पन्न होते हैं । विद्रोह-बुद्धि परिस्थितियों से संघर्ष की सामर्थ्य, जीवन की क्रियाओं से, परिस्थितियों के

घात-प्रतिघात से नहीं निर्मित होती । यह आत्मा का कृत्रिम परिवहन नहीं है, उसका अभिन्नतम अंग है । मैं नहीं मानता कि दैव कुछ है, क्यों कि हमें उसकी विवशता, कोई बाध्यता है तो वह बाहरी नहीं, भीतरी है ।

अथवा

शेखर को लगा कि वह जो कहना चाहता है, वह तभी कह सकेगा जब साथ ही उसका उपहास भी करता जाए, नहीं तो बात बड़ी बड़बोली लगेगी... हँसते हुए बोला, 'कुछ करूँगा जिसे क्रान्ति क्रान्ति कहते हैं । सब चीज़ उलट-पलटकर रखूँगा, कुछ टूट-फूट जाएगी तो कहूँगा कि पुरानी सड़ी हुई थी ।'

शशि जानबूझकर और गम्भीर बनती हुई बोली, हूँ ? और 'और क्या क्या ? बाबा कहते थे, तोड़ना ही धर्म है, बनता तो अपने आप है ।

(ख) नाऊन इस अनुष्ठान का नेतृत्व सतर्कता और अनुशासन से करती थीं । आँखें मूँदकर अथवा दीवार की ओट से सुनने पर स्त्रियों के छाती पीटने का सम्मिलित स्वर इस प्रकार बँधा हुआ जान पड़ता था मानों मैदान में बहुत सधे हुए सिपाही मार्च, मार्क-टाइम और क्विक मार्च कर रहे हो । किसी स्त्री के बेमेल हो जाने पर नाऊन उसे संगत से उठा दे सकती है ।

अथवा

पहाड़गंज में दो हजार मुसलमान मारा गया है । यह भी अफवाह थी कि कई जगह सिपाहियों और सिविल गार्ड के लोगों ने हिन्दुओं पर भी गोलियाँ चलायीं । कोई सोलह हिन्दुओं के मारे जाने की, कोई चौबीस के मारे जाने की बात कहता था । हिन्दुओं पर गोली चलायी जाने के

कारण बहुत उत्तेजना और क्रोध था । लोग काँग्रेस सरकार और पंडित नेहरू को गालियाँ दे रहे थे – 'ये लोग दिल्ली में भी हिंदुओं को मरवा देंगे तो हम लोग कहाँ जायेंगे ।

(ग) वह जानता है, मम्मी अब पीछे मुड़कर नहीं देखेंगी । नपे-तुले कदम रखती हुई सीधी चलती चली जाएँगीं । जैसे ही अपने कमरे के सामने पहुँचेगी चपरासी सलाम ठोंकता हुआ दौड़ेगा और चिक उठाएगा । मम्मी अंदर घुसेंगी और एक बड़ी सी मेज़ के पीछे रखी कुर्सी पर बैठ जाएँगी। मेज़ पर ढेर सारी चिट्ठियाँ होंगी । फाइलें होंगी। उस समय तक मम्मी एकदम बदल चुकी होंगी। कम से कम बंटी को उस कुर्सी पर बैठी मम्मी कभी अच्छी नहीं लगीं ।

अथवा

"बंटी को हॉस्टल भेजने की बात तो आपने कह दी, पर कभी यह भी सोचा है कि उसे हॉस्टल भेजकर मैं कितनी अकेली हो जाऊँगी ।" और उसका स्वर जैसे एकाएक ही बिखर गया । वह कहीं से भी अपनी दुर्बलता नहीं दिखाना चाहती थी, पर जाने कैसे गला भिच सा गया । चाचा की नजरों की चुभन और भी तीखी हो गई । शकुन को लगा जैसे बात कहने के पहले या तो वे अपनी बात का वजन तौल रहे हैं या शकुन के सहने का सामर्थ्य ।

खण्ड 'ख'

2. शेखर : एक जीवनी का उद्देश्य लिखिए ।

अथवा

मणिका का चरित्र-चित्रण लिखिए । 15

कारण बहुत उत्तेजना और क्रोध था । लोग काँग्रेस सरकार और पंडित नेहरू को गालियाँ दे रहे थे – 'ये लोग दिल्ली में भी हिंदुओं को मरवा देंगे तो हम लोग कहाँ जायेंगे ।

(ग) वह जानता है, मम्मी अब पीछे मुड़कर नहीं देखेंगी । नपे-तुले कदम रखती हुई सीधी चलती चली जाएँगीं । जैसे ही अपने कमरे के सामने पहुँचेगी चपरासी सलाम ठोंकता हुआ दौड़ेगा और चिक उठाएगा । मम्मी अंदर घुसेंगी और एक बड़ी सी मेज़ के पीछे रखी कुर्सी पर बैठ जाएँगी। मेज़ पर ढेर सारी चिट्ठियाँ होंगी । फाइलें होंगी। उस समय तक मम्मी एकदम बदल चुकी होंगी। कम से कम बंटी को उस कुर्सी पर बैठी मम्मी कभी अच्छी नहीं लगीं ।

अथवा

"बंटी को हॉस्टल भेजने की बात तो आपने कह दी, पर कभी यह भी सोचा है कि उसे हॉस्टल भेजकर मैं कितनी अकेली हो जाऊँगी ।" और उसका स्वर जैसे एकाएक ही बिखर गया । वह कहीं से भी अपनी दुर्बलता नहीं दिखाना चाहती थी, पर जाने कैसे गला भिच सा गया । चाचा की नजरों की चुभन और भी तीखी हो गई । शकुन को लगा जैसे बात कहने के पहले या तो वे अपनी बात का वजन तौल रहे हैं या शकुन के सहने का सामर्थ्य ।

खण्ड 'ख'

2. शेखर : एक जीवनी का उद्देश्य लिखिए ।

अथवा

मणिका का चरित्र-चित्रण लिखिए । 15

खण्ड 'ग'

3. "तारा मध्यवर्गीय नव्य नारी चेतना की प्रतीक साहसी नारी है ।" इस उक्ति के परिप्रेक्ष्य में तारा का चरित्र-चित्रण कीजिए । 15

अथवा

'झूठा सच' के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए । 15

खण्ड 'घ'

4. 'आपका बंटी' उपन्यास की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि लिखिए । 15

अथवा

मन्नू भण्डारी के उपन्यास 'आपका बंटी' की समीक्षा लिखिए । 15

5. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

(i) 'शेखर : एक जीवनी' का प्रथम भाग का प्रकाशन वर्ष एवं नामकरण लिखिए । 2

(ii) 'शेखर : एक जीवनी' के दूसरे भाग 'संघर्ष' के चार खण्डों के नाम लिखिए । 2

(iii) 'आपका बंटी' उपन्यास की समस्या लिखिए। 2

(iv) फूफी बंटी को किसकी कहानियाँ सुनाती हैं ? 2

(v) 'झूठा सच' उपन्यास की मूल संवेदना पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए । 2